जो गुरू कहता है वो कर पायें हम

मुक्ति फल को जीते जी पा जायें हम

ज्ञान तो सत्गुरू ने हमको दे दिया।

ब्रह्मज्ञानी बनके भी दिखलाये हम ॥ मुक्ति...

सेवा, सिमरन और सत्संग तीनो को।

ज्यादा से ज्यादा समय दे पायें हम ॥

औरों के गुण और अपनी खामियां।

देखते रहने से ना कतरायें हम ॥

मुक्तिदाता सत्गुरू को है कहा।

'शौक' सत्गुरू को नहीं बिसरायें हम ॥

(तर्ज : दिल के अरमां आसूओं में.....)